

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

युवाओं के लिए बाइबल

पाठ 13 — परमेश्वर की टीम

मैं पढ़ सकता हूँ

“बहुत से लोगों को बुलाया जाता है, लेकिन चुने हुए थोड़े ही हैं।”

— मत्ती 22:14

मेरी कहानी

जेसिका खेल के मैदान के झूलों के पास खड़ी थी और लड़कियों के एक समूह को वहाँ से जाते हुए देख रही थी। उन्होंने उससे बात नहीं की उन्होंने उसे देखकर मुस्कुराया भी नहीं। वास्तव में, उन्होंने उसकी ओर देखा तक नहीं।

जब वह समूह फुटबॉल के मैदान की ओर जा रहा था। तब उसकी दोस्त रोज़ ने कहा, “वे बहुत मिलनसार नहीं हैं।”

वे हमारे साथ खेलना क्यों नहीं चाहती? जेसिका ने आह भरते हुए कहा, “मुझे नहीं पता।” रोज़ ने गुस्से में कहा, “अच्छा, वे जितना चाहें उतना बुरा व्यवहार करें, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।”

जेसिका ने कुछ देर तक सोचा और फिर अपनी दोस्त की ओर मुड़ी। और कहा, “तुम्हें पता है क्या? हम उनकी दोस्त बनेंगे, भले ही वे हमें पसंद न करें।” रोज़ ने पूछा, “हम ऐसा कैसे करेंगे?”

उसने उससे कहा, “क्या तुम्हें याद है कि पिछले सब्त को चर्च में प्रचारक ने क्या कहा था? उन्होंने ऐसे लोगों के एक समूह के बारे में बताया था जो हर किसी के साथ परमेश्वर का प्रेम बाँटेंगे, यहाँ तक कि उन लोगों के साथ भी जो उनके साथ बुरा व्यवहार करते हैं और उनका मज़ाक उड़ाते हैं।”

रोज़ ने सिर हिलाया। “हाँ, मुझे याद है। उन्होंने उन लोगों को परमेश्वर के अवशेष लोग कहा।

जेसिका ने कहा, “उन्हें परमेश्वर के अवशेष लोग कहा जाता है। और ‘अवशेष’ का मतलब है किसी बड़ी चीज़ का बचा हुआ छोटा हिस्सा—जैसे घर में कालीन बिछाने के बाद बचा हुआ हिस्सा। प्रचारक ने कहा था कि इन अवशेष लोगों के पास एक खास काम है।”

मेरी एक योजना है। हम उन लड़कियों को देखकर मुस्कुराएँगे, भले ही वे हमें देखकर न मुस्कुराएँ। हम उनसे बात करेंगे, भले ही वे हमसे बात न करें। हम उनके साथ दोस्ताना व्यवहार करेंगे, भले ही वे हमारे साथ दोस्ताना व्यवहार न करें।

हम ‘परमेश्वर की टीम’ बनेंगे। हाँ, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए अच्छा नाम है। चलो!”

यह कहते ही जेसिका और रोज़ खेल के मैदान से उन लड़कियों की ओर दौड़ पड़ीं, जो उनसे दोस्ताना व्यवहार नहीं कर रही थीं।

वे परमेश्वर का प्रेम बाँटने के मिशन पर थीं।

आपको क्या लगता है, जब वे दोनों लड़कियाँ उस समूह के पास पहुँचीं तो क्या हुआ?

आपको क्या लगता है, उन्होंने उन लड़कियों से क्या कहा? उस समूह की लड़कियों ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया?

असल में, कहानी का अंत कैसे हुआ, यह सबसे महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि जब आप परमेश्वर की टीम के सदस्य होते हैं—जब आप परमेश्वर के अवशेष लोगों में से एक होते हैं—तो आपका काम है कि आप दूसरों से प्रेम करें, उन्हें स्वीकार करें और उनका हौसला बढ़ाएँ, चाहे उन्होंने आपके साथ कैसा भी व्यवहार किया हो।

कभी-कभी लोग आपको अनदेखा करेंगे। लेकिन कभी-कभी, जब आप वही करते हैं जो परमेश्वर चाहता है, तो कोई आपसे कह सकता है, “धन्यवाद। मुझे बहुत खुशी है कि आप मेरे दोस्त बनना चाहते हैं।” अपने जान-पहचान के लोगों के बारे में सोचिए।

क्या आज किसी को परमेश्वर की टीम की ओर से मिलने आने की जरूरत है?

तो फिर जल्दी कीजिए और उससे मिलने की योजना बनाइए।

हो सकता है वह आपका मज़ाक उड़ाए। लेकिन हो सकता है कि ऐसा न करे।

यह जानने का केवल एक ही तरीका है!

गतिविधि

कभी-कभी किसी टीम के खिलाड़ियों की अपनी पहचान बताने के लिए एक लोगो होता है। अपनी टीम “परमेश्वर की टीम” के लिए एक लोगो बनाएँ।

मज़ेदार बातें

SQUAD का अर्थ:

- Squad (टीम) का मतलब है—किसी खास काम को करने वाले लोगों का एक छोटा समूह।

मेरी बाइबल

परमेश्वर के अवशेष लोग—परमेश्वर की टीम—को इस संसार के इतिहास के अंतिम दिनों के लिए एक विशेष काम दिया गया है। बाइबल कहती है कि उन्हें अपने दोस्तों, पड़ोसियों और परिवार के लोगों के साथ तीन महत्वपूर्ण संदेश बाँटने हैं।

क्या आप जानना चाहेंगे कि वे तीन संदेश क्या हैं?

पहले संदेश को पढ़ें। फिर अपने जान-पहचान के लोगों के साथ उस संदेश को बाँटने का एक तरीका लिखें। कुछ विचार दिए गए हैं।

संदेश एक

“परमेश्वर से प्रेम करो और उसकी स्तुति करो... परमेश्वर की आराधना करो।”

— प्रकाशितवाक्य 14:7

लोगों को परमेश्वर की आराधना के लिए बुलाने का मेरा विचार:

शायद आप किसी को अपने साथ चर्च और सब्त स्कूल में आने के लिए बुला सकते हैं। शायद आप किसी दोस्त के साथ बाइबल की कहानी की किताब बाँट सकते हैं। आप किसी को प्रकृति के बारे में सिखा सकते हैं और बता सकते हैं कि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है।

आप अपना विचार तय करें और यहाँ लिखें:

संदेश दो

“बाबुल का बड़ा नगर नष्ट हो गया है।”

— प्रकाशितवाक्य 14:8

बाबुल एक ऐसा नगर था जहाँ इस्राएल के लोग कई वर्षों तक बंदी बनाकर रखे गए थे।

यह ऐसी जगह का प्रतीक है जहाँ आप परमेश्वर की आराधना करने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं और आपके जीवन पर शैतान का अधिकार है।

इस संदेश का अर्थ है:

“अब शैतान के बंधन में मत रहो। यीशु ने क्रूस पर मरकर शैतान को हरा दिया है।”

आप यह संदेश किसी दोस्त या परिवार के सदस्य को कैसे बताएँगे?

शायद आप बाइबल में परमेश्वर के कुछ वादों को पढ़कर उन्हें बता सकते हैं कि परमेश्वर उनसे कितना प्रेम करता है। शायद इस पाठ के LIBRARY (पुस्तकालय) में दिया गया कोई अच्छा और उत्साह देने वाला बाइबल वचन सुंदर कागज पर लिखकर उन्हें दिया जा सकता है। आप उन्हें यह भी बता सकते हैं कि अगर वे बाइबल में परमेश्वर की बताई बातों का पालन करें, तो वे अधिक खुश और स्वस्थ रह सकते हैं।

आप अपना विचार तय करें और यहाँ लिखें:

संदेश तीन

“उस व्यक्ति के लिए बुरा होगा जो उस पशु और उसकी मूर्ति की आराधना करता है।”

— प्रकाशितवाक्य 14:9

इस संदेश में “पशु” शैतान को दर्शाता है।

दूसरे शब्दों में:

“शैतान और इस संसार में उसके बनाए हुए सभी कामों की आराधना मत करो, क्योंकि अगर तुम ऐसा करोगे, तो इससे तुम्हें नुकसान होगा और तुम दुखी हो जाओगे।”

आप इस संदेश को अपने किसी दोस्त के साथ कैसे बाँटेंगे?

शायद आप उसे बता सकते हैं कि नशीली दवाएँ, शराब और सिगरेट पीना शरीर के लिए हानिकारक हैं। शायद आप यह भी बता सकते हैं कि परमेश्वर ने हमारे खाने के लिए जो भोजन बनाए हैं—फल, सब्जियाँ और मेवे—वे मीठे नाश्ते और मांस जैसे हानिकारक भोजन खाने से बेहतर हैं।

आप यह भी समझा सकते हैं कि शैतान के साथ स्वर्ग में कोई खुशहाल भविष्य नहीं है। लेकिन परमेश्वर के साथ है!

आप अपना विचार तय करें और यहाँ लिखें:

मेरी प्रार्थना

हे यीशु, मेरा धन्यवाद कि आपने मुझे उन सभी लोगों तक अपने प्रेम की खुशखबरी पहुँचाने में आपकी मदद करने के लिए कहा है, जिन्हें मैं जानता हूँ।

कृपया मुझे ऐसा करने के लिए अच्छे विचार दें। आमीन।

पुस्तकालय

“आरम्भ से ही आपके वचन सच्चे हैं। और आपके सभी नियम हमेशा सही हैं।”

— भजन 119:160

“परमेश्वर हमारी रक्षा और हमारी शक्ति है। संकट के समय वह हमेशा हमारी मदद करता है।”

— भजन 46:1

“परमेश्वर के राज्य में खाना-पीना महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण बातें हैं—परमेश्वर के साथ सही जीवन जीना, शांति और पवित्र आत्मा में आनंद।”

— रोमियों 14:17

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

“यह एक अद्भुत और स्पष्ट संदेश है; इसे सुनने वाले व्यक्ति के लिए इसका बहुत महत्व है, और इसे ऊँची आवाज़ से सुनाया जाना चाहिए।”

— टेस्टिमोनिज़ टू द चर्च, खंड 9, पृष्ठ 154

“सुनने वाला” वह व्यक्ति है जो इस संदेश को सुनता है।

“ऊँची आवाज़” का अर्थ है कि संदेश देते समय आपको डरपोक या संकोची नहीं होना चाहिए।

बस इस संदेश को सबके प्रति प्रेम और सम्मान के साथ बताना चाहिए।